



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 99]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 27, 1986/फाल्गुन 8 1907

No. 99]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 27, 1986/PHALGUNA 8, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1986

सं. 111-प्र/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

मा.का.नि. 325(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और
तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में
निम्नलिखित और मशोधन करती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (छठा संशोधन)
नियम, 1986 है।

(2) ये 28 फरवरी, 1986 को प्रवृत्त होंगे।

2 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में—

(1) नियम 9क में,—

(i) उप-नियम (2) में, “बन्ध पत्र के अधीन” शब्दों का लोप
किया जायेगा;

(ii) उप-नियम (4) में, “बन्धपत्रित” शब्द का, जहाँ-जहाँ वह
आता है, लोप किया जायेगा;

(2) नियम 24 के उपनियम (1) के खण्ड (iii) में “बन्धित”
शब्द का लोप किया जायेगा;

(3) नियम 26 में, उक्त नियम के शीर्ष में, “बन्धपत्राधीन” शब्द
का लोप किया जायेगा,

(4) नियम 27 में,—

(i) उक्त नियम के शीर्ष में “बन्धपत्राधीन” शब्द का लोप किया
जायेगा;

(ii) उप नियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा
जायेगा, अर्थात् :—

“(1) यदि संभाव्यक अविनिर्मित उत्पादों (अविनिर्मित
तम्बाकू से भिन्न) को प्रपने स्वयं के परिसरों में किसी
प्राइवेट भंडार-कक्ष में रखना चाहता है तो वह उचित प्ररूप
में अनुमति के लिए कलक्टर को आवेदन करेगा।”

(iii) उप-नियम (4) में, “बन्धपत्राधीन” शब्द का लोप किया जायेगा;

(5) नियम 48 का लोप किया जायेगा;

(6) नियम 51 के खण्ड (ii) में “बन्धपत्राधीन” शब्द का लोप
किया जायेगा,

(7) नियम 56 के उपनियम (7) के खण्ड (ii) में, “जिनके
अन्तर्गत बन्धपत्र का निष्पादन भी है”, का लोप किया जायेगा;

(8) नियम 56ख में,—

(i) उक्त नियम के शीर्ष में “बन्धपत्र के अधीन” शब्द का लोप किया
जायेगा;

- (1) प्रारम्भिक भाग में "और विनिर्माता द्वारा उन्मूलन के निष्पादन के अन्तर्गत रहने हुए" शब्दों का लोप किया जायेगा,
- (9) नियम 92घ, 96ठ, 96ड तथा 96य में, शब्द "48" का लोप किया जायेगा,
- (10) नियम 96घ के उपनियम (3) में,—
- (i) "माल को इस प्रकार ले जाने से पूर्व एक बन्धपत्र लिखेगा और" शब्दों तथा "153" शब्दों का लोप किया जायेगा,
- (ii) पहले और दूसरे परन्तुको का लोप किया जायेगा,
- (11) नियम 96घ के उपनियम (2) में,—
- (i) "माल को इस प्रकार ले जाने से पूर्व एक बन्धपत्र लिखेगा और" शब्दों तथा "153" शब्दों का लोप किया जायेगा,
- (ii) पहले और दूसरे परन्तुको का लोप किया जायेगा,
- (12) नियम 96ड के उप-नियम (3) में,—
- (i) "माल को इस प्रकार ले जाने से पूर्व एक बन्धपत्र लिखेगा और" शब्दों तथा "153" शब्दों का लोप किया जायेगा,
- (ii) पहले और दूसरे परन्तुको का लोप किया जायेगा,
- (13) नियम 96ड के उप-नियम (3) में,—
- (i) "माल को इस प्रकार ले जाने से पूर्व एक बन्धपत्र लिखेगा और" शब्दों तथा "153" शब्दों का लोप किया जायेगा,
- (ii) पहले और दूसरे परन्तुको का लोप किया जायेगा,
- (14) नियम 100 ज में "48" शब्दों के जहाँ-जहाँ वे आते हैं, का लोप किया जायेगा,
- (15) नियम 140 में,—
- (i) उक्त नियम के शीर्ष में 'प्राज्ञ और बन्धपत्र की शर्तें' शब्दों का लोप किया जायेगा,
- (ii) उप-नियम (1) में,
- "और जोर भाण्डागार की दशा में, भाण्डागार चलाने वाले से और पाइवेट भाण्डागार की दशा में अनुज्ञप्तिधारी से यह अपेक्षा कर लगेगी कि वह समुचित प्रहृत में, ऐसे प्रतिभू या पर्याप्त प्रतिभूति सहित इनकी एकम का और ऐसी शर्तों के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अन्तर्गत रहे, जैसे रखे गए माल पर शीघ्र शुल्क के गणना के लिए या ऐसे माल को निम्न भाण्डागार के एक या अधिक भाण्डागारों में भाण्डागार के दूसरे भाग या खण्ड में प्रेषण किसी अन्य भाण्डागार में सम्यक् और सुरक्षित रूप से हटा ले जाने के लिए और अधिनियम 141 की शर्तों और उनके अन्तर्गत बनाए गए, आदेशों उपरान्त प्राप्त निम्नलिखित शर्तों और अपेक्षाओं के सम्यक् पालन के लिए अपने प्रापको आश्रय करने हुए बन्धपत्र देगा।" शब्दों का लोप किया जायेगा।
- (16) नियम 145 के शीर्ष में 'बन्धपत्र के अधीन' शब्दों का लोप किया जायेगा
- (17) नियम 153, 154 तथा 155 का लोप किया जायेगा,
- (18) नियम 156 में "तब उमके द्वारा निष्पादित बन्धपत्रों की, यदि कोई हो," का लोप किया जायेगा
- (19) नियम 161 में—
- (1) उप-नियम (1) में शब्दों तथा कोष्ठों "तो समुचित अधि-कारी या तो तत्काल ऐसे माल के स्वामी द्वारा निष्पादित/

बन्धपत्र पर निष्पादित कर सकेगा या माग की वस्तुओं की दृष्टि से ऐसे माल के, जिसके मद्दे रकम शीघ्र है भाण्डागार में इनके प्रभाग को, यदि कोई है, जितना वह ठीक समझता है" के स्थान पर, "तो समुचित अधिकारी तत्काल यथास्थिति जिसके ऐसे माल (यदि कोई है) के, जिसके मद्दे रकम शीघ्र है, भाण्डागार में इनके प्रभाग का जितना वह ठीक समझता है" शब्द रखे जायेंगे।

- (ii) उपनियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् —

"(2) नियम 160 के अधीन मागी गई राशि और माल के सार्वजनिक नीलाम के कारण उत्पन्न व्यय (यदि कोई हो) विक्रय के आगमों से चुकाए जायेंगे और अधिशेष आगम (यदि कोई हो) का माल के स्वामी को सदाय कर दिया जाएगा,

परन्तु यह तब जब कि उसके लिए आवेदन विक्रय से एक वर्ष के भीतर दिया जाता है या ऐसी अवधि के भीतर आवेदन न करने के लिए पर्याप्त हेतुक दर्जित कर दिया जाता है।"

- (20) नियम 164 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् —

"164. माल का स्वामी, माग किए जाने पर उन शोध्यों का सदाय करेगा—वह माल का स्वामी जिसने लोक भाण्डागार में माल जमा किया है,

(क) माग किए जाने पर, अधिनियम या इन नियमों के अधीन ऐसे माल के मद्दे दावा योग्य सभी शुल्कों, किराए और प्रभागों का, माग का ताराख से, छह प्रतिशत वार्षिक से अधिक ऐसा दर पर व्याज सहित सदाय करेगा जो उस समय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड द्वारा नियत की जाए;

(ख) ऐसे माल की बाबत अधिनियम या इन नियमों के उपबन्धों के उल्लंघन के लिए अधिरोपित सभी शास्तियों का उन्मोचन करेगा।"

- 21 नियम 173-ड में,—

(i) उक्त नियम (5) का लोप किया जाएगा,

(ii) उपनियम (6) में, नियम 156-क के प्रतिस्थापित उप नियम (1) में, "माल परेषक के बन्धपत्र पर ले जाया जा रहा है और ऐसे धन्य", शब्दों के स्थान पर, "ऐस" शब्द रखा जाएगा,

- 22 नियम 174 में,—

(i) खण्ड (2) में "बन्धपत्रित" शब्द का लोप किया जाएगा,

(ii) खण्ड (3) में, उपखण्ड (ग) 'बन्धपत्रित' शब्द का लोप किया जाएगा,

- 23 नियम 176 में, उपनियम (2) की सारणी में मब 1 की उपसद (2) में शब्द "बन्धपत्रित" का लोप किया जाएगा,

- 24 नियम 191क में,—

(i) उपनियम (4) में 'अब तब विनिर्माता', शब्दों के प्रारम्भ होने वाले और "परन्तु यह और कि" शब्दों से समाप्त होने वाले अंग के स्थान पर "परन्तु" शब्द रखा जाएगा

(ii) उपनियम (7क) में, "और विनिर्माता द्वारा बन्धपत्र निष्पादित किए जाने पर" शब्दों का लोप किया जाएगा।

- (iii) उपनियम (12) में "प्रतिभूति निक्षेप के समग्रहण का भी आदेश कर सकता है और कारखाने में स्टॉक में उत्पाद-शुल्क माल या विनिर्मित का अधिहरण" शब्दों के स्थान पर, "कारखाने में स्टॉक में उत्पाद-शुल्क माल या विनिर्मित वस्तुओं का अधिहरण भी" शब्द रखे जायेंगे ;

25 नियम 191ख में, नियम (4क) में, "और विनिर्माता द्वारा अधपत्र निष्पादन करने के अन्तर्गत रहते हुए और ऐसी अन्य," शब्दों के स्थान पर, "और ऐसी" शब्द रखे जायेंगे ;

26. नियम 196 खख में, उपनियम (2) में, "जिनके अन्तर्गत अधपत्र का निष्पादन भी है" शब्दों का लोप किया जाएगा ;

27 नियम 223-क में, "अप्रतिभूति" शब्द का लोप किया जाएगा,

28 नियम 224-क में, खण्ड (ii) में, "बधपत्र पर", शब्दों का लोप किया जाएगा,

3 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के परिशिष्ट 1 में,—

(i) शीर्ष "(1) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क प्ररूपों की सूची" के नीचे,—

(i) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली स 21, 21-क, 24, 25, 25-क, 26, 27, 28, 29, 30, 30-क, 30-ख, 32-च, 32-छ, 32-ट, 32-ठ और 87 तथा उनसे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा,

(ii) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली स 32-ड तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित आवली सं. और प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात् —

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं.	प्ररूप का वर्णन	नियम सं०	संक्षिप्त नाम
---------------------------------	-----------------	----------	---------------

"32 ड	उत्पाद शुल्क योग्य माल के, शुल्क के सदाय के बिना, किसी विदेशी राज्य को निर्यात के प्रयोजन के लिए समय-समय पर हटाए जाने के लिए, उत्पाद शुल्क योग्य माल का व्ययन करने और उसका समाधानप्रद लेखा देने के लिए विशेष औद्योगिक प्रयोजनों में उपयोग के लिए, शुल्क का पूर्णतः या भागत सदाय किए बिना, प्राप्त किए गए उत्पादशुल्क योग्य माल का सम्यक् लेखा देने और व्ययन के लिए नियम-9 ख के अधीन उत्पाद शुल्क के लिए माल का अनन्तिम निर्वारण प्राप्त करने के लिए प्रतिभूति (प्रतिभूतियों/प्रतिभूति सहित) माधारण बन्धपत्र*	9ख, 13, 14 और 192	ख-16 ¹ (साधारण प्रतिभूति/साधारण प्रतिभूति)
-------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------	----------------------------------------------------------

(iii) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं० 7, 15, 59, 59-क, 80, 81, 81-क और 82 के सामने, "प्ररूप का वर्णन" स्तम्भ के अधीन शब्द "बधपत्रित" का जहाँ-जहाँ वह आया है, लोप किया जाएगा,

(iv) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली स. 56-क के सामने "नियम स" स्तम्भ के अधीन "10," "10क," "48" "153" और "154" शब्दों और अकों का लोप किया जाएगा,

(v) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 59 के सामने "नियम स" स्तम्भ के अधीन "156" अकों का लोप किया जाएगा,

(vi) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं 86 के सामने "प्ररूप का वर्णन" स्तम्भ के अधीन "किसी विशेष बन्धपत्र के अधीन" शब्दों का लोप किया जाएगा,

2 शीर्ष "(11) प्ररूपों के नमूने" के अधीन —

(i) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली स 21, 21-क, 24, 25, 25-क, 26, 27, 28, 29, 30, 30क, 30ख, 32-च, 32छ, 32, ट, 32 ठ और 87 तथा तदधीन प्ररूपों का लोप किया जाएगा;

(ii) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली स 7, में प्ररूप ए.एल 5 में,—
(क) शब्द "बधपत्रित", का जहाँ-जहाँ वह आया है, लोप किया जाएगा;

(ख) पैरा 3क और उसके पाद-टिप्पण का लोप किया जाएगा,

(iii) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क स 15, 17, 18, 19, और 20 के अधीन प्ररूपों में, शब्द "बधपत्रित", का जहाँ-जहाँ वह आया है लोप किया जाएगा ,

(iv) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क स 32-ड में प्ररूप ख-16 (साधारण प्रतिभूति/प्रतिभूति) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप और प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात् —
"प्ररूप ख-16 (साधारण प्रतिभूति/प्रतिभूति)

उत्पाद शुल्क योग्य माल के, शुल्क के सदाय के बिना, किसी विदेशी राज्य को निर्यात से प्रयोजन के लिए समय-समय पर हटाए जाने के लिए, उत्पाद शुल्क योग्य माल का व्ययन करने और उसका समाधानप्रद लेखा देने के लिए, विशेष औद्योगिक प्रयोजनों में उपयोग के लिए, शुल्क का पूर्णतः या भागत सदाय किए बिना, प्राप्त किए गए उत्पाद शुल्क योग्य माल का सम्यक् लेखा देने और व्ययन के लिए नियम 9-ख के अधीन उत्पाद शुल्क के लिए माल का अनन्तिम निर्वारण प्राप्त करने के लिए प्रतिभूति (प्रतिभूतियों/प्रतिभूति सहित), साधारण बन्धपत्र* (नियम 9ख, 13, 14 और 192)

मैं / हम ————— (जिसे/जिन्हें इसमें आगे "बाध्यताधारी" कहा गया है) और ————— जो ————— का निवासी है (जिसे/जिन्हें इसमें आगे "प्रतिभूति" कहा गया है) भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें आगे "राष्ट्रपति" कहा गया है) के प्रति ————— की राशि का भारत के राष्ट्रपति को सदाय करने के लिए वचनबद्ध और दृढ़तापूर्वक आबद्ध हूँ/हैं इस रकम का सदाय पूर्णतः और सही रूप में करने के लिए मैं / हम स्वयं को, अपने-अपने वारिसों, निष्पादकों, प्रशासकों, विधिक प्रतिनिधियों / उत्तराधिकारियों और समनुदेशितियों को इस विनियम द्वारा समुक्त और पृथक् आबद्ध करता हूँ/करते हैं—

मैं / हम ————— जो ————— का / के निवासी हूँ/हैं (जिसे/जिन्हें इसमें आगे "बाध्यताधारी" कहा गया है) भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें आगे "राष्ट्रपति" कहा गया है) के प्रति ————— की राशि का राष्ट्रपति को सदाय करने के लिए वचनबद्ध और दृढ़तापूर्वक आबद्ध हूँ/हैं इस रकम का सदाय पूर्णतः और सही रूप में करने के लिए

मै/हम स्वयं का अने-प्राने वाग्यमा निगदका प्रगामका विधिक प्रतिनिधिया/उत्तरागधकारिया और समनुदेशिनिया का उस विलेख द्वारा नियुक्तन आर परवक्त आबद्ध करना हू/करन है तर्हि ख -----

बी 1—उक्त आबद्ध वाग्यमाधारी का -----म स्थित अग्रा नाड्यार/अनुक्तन दाखान मे समय समय पर शुल्क का सदाय कि प्रित विनियम उपाद शुल्क राग माल क बदेशी राग्या का नियान क रिण हटन क प्रनुमति दे रा गई है।

बी 8—उक्त आबद्ध वाग्यमाधारी का केंद्रीय उपाद शुल्क कलक्टर, ----- (सि इसम आगे कलक्टर कहा गया है) द्वारा अनुता 2 य कि वह शन वा पुणत या मागत पदाय रिण रिता वस्तु (रगुता) क -----म स्थित प्रान नाड्यारत म उपयोग क रिण ----- क उत्ता माका निनी प्राप्ति हा रि तु जा प्रतिकष -----ग यदिक त हा कष क माला ।

या 10 और 13—उक्त आबद्ध द य राग द्वा सम्प गम प विनाम गदति / माडालि ----- (सि इसम आगे माल कय गता) उद शुल्क रिता निगारण उक्त मलय / वात / कागिग य उम रिण मवत क प्रभाव म अथवा उमका वावत नागारिक य अर पलाप अण रग उत क कारण या प्रपरा नहा रि । नहा अ र गत राग उा है रि मरगार केंद्रीय उपाद शुल्क निम 1014 निम 6 ब य प्रलापिउ उपपदा क प्रनुवग अनन्तिम निगारा क ले।

कवल प्रिभूति वरगव क रिग-तदम् न वायताग्रा म य अशेका की ह कि वर म वरगव क रकम क लिए प्रिभूति क म ----- रूप क रकम रकर (रकम आग उलिखित -----राग क री मूय ता प्रिभूतिना जा भागत क गणपति क पय म पठाका क गता गार रिम उतका आर से केंद्रीय उपाद शन क कलक्टर, उा कलक्टर पहायक कलक्टर, अग्राक्षा अथात् ----- न स्वीकार क रिता हा) उमा क और वाधराधारी न तदभर क पास उागता नहा प्रिभूतिना कलक्टर क पास जमा कय माला प्रतर्पति दे रा है

म रक्यव क गन क रिग रिगि क री गरी आर उमक गालति कशा उपाद शन । ता 1011 म गमी उाग्रा आर उपाद वमाल-पराप माला है नत क रिग गरी रिग मगाराता क पलाप ता निता ब। क राग क अरत--

या 10 जा 4 13— । निग 13 क राग उपाद शुल्क क रिण अन्तिम निगाराग

बी 1 (1) उपाद शन याम्य म रा रिता कलशा राग्या का नियान

बी 8 (11) उपाद शन याम्य माल क शन ता पुणत या माग सदाय कि प्रित विनियम आगारिग प्रयाजना क रिग उपादा

बी 1 अर 2 8 गद मुग। और विचार माल का उतम समय क माल गल्य माल का निगन कय गता है जिन का निदश राग्यर दे

आर/या उत मम दय रागिया हा चाह व उत्पाद शुल्क हा या अन्य विधिगुण प्रसार ता जियका राग्यवगारा द्वारा अभिप्रात माल पर शुल्क ता पुणत या माग शल्क का सदाय रिण रिता मागि जा सका और जिता उपापि क मगन म वायताग्रा (वाधराधारिया) क परिमर म विशेष आगारिग प्रयाजना म उपाय क लिए परिवहन किया गया है और जा उति अगिरा क प्रिभूतिना म दगित है उति अगिरा द्वारा रिगि माग का ज्ञान क दा रिन क माल खजाना क कलक्टर क खात म राग्यर क म राग क दिया जाता है औ, ता 10 और 13 यद उपाद शन का वरन निगम निगाराग

नियम 9 ख के अधीन अनन्तिम आधार पर किया गया है मूय/वगन, क्वालिटी या उमक मवत क सम्बन्ध म पूरी क तकारी मम समय के म द दी जाती है जा उति अगिरा निग क और यदि ममी दय रागिया हा चाह व उत्पाद शुल्क हा या अन्य विधिगुण प्रसार ता जित उति अगिरा द्वारा अनन्तिम निगारिग के पलाप यग परिनिगि मूय वगन या क्वालिटी क प्राग पर मय माल क सम्बन्ध म माग क जा सका। मे अगिरा द्वारा लिखित माग की ज्ञान पर माग क राग स 10 क भीतर खजाना म कलक्टर क यग म राग क म मदाय क दिग जता है ता यग वाधराधारी शुल्क हा जग गल्यरा और दयके रिग गत क मग किग जत य। उमर अनुताग म रिता अमकता पर यह पुणत प्रवृत्त और बरगि र रग।

कवल प्रिभूति वरगव क रिग

यह मी उाग्रा है रि वाधराधारा द्वारा उा वायताग्रा आर गरी का वावत यग या उा मन्वन्ध म रिग उम पावत या निगन करना है राग्यर द्वारा का समय अनन्तिम ता गन या उमका रिता प्रिगिग य काय या ताप क राग्यर इम अग्रा प्रिभू हा रिग न ता क हा क उा क। ता (कड क प्रिभू हा अनगरी ता माल म रिग माल हा या ग) न इत अग्रा रकम क रिग रिगि पर कद वन म पूव वधराधारा (वाधराधारा) पर वाद नता आग्यर हाग।

कवल प्रिभूति वरगव क रिग आर गरी रिग म गत क रिग मगन हागे रि वे अम रिग पर प्रिगिग रिग क माल क या उत रिग। अग्रा क राग्रा अग्रा अग्रा क पागकन कय या दातो मे मम तुकनात और जति क पलापि क र

म/हम म मी वाग्रा क ता है कि यह वरगव राग्यर मगार क आदशा क अग्रात मम कय क पावत म रिता ता निम जता हाग है।

इग रिग म जग सदा म गत अग्रात एत उवा क गलाप बहुववन और कुरुवन क अन्तिम एगवत म हाग।

इमर मक्षपस्वप वायताग्रा (वायताग्रागिया) न और प्रिभू (प्रिभूता) न इमर ऊग रिग। राग्यर क टन पर हा कक्षा कगार

मगन वायताग्रा क माला नाराग

साक्षी (1)	पता	(1) उाग्राग्रा
साक्षी (2)	पता	(2) उपगारिग प्रिभू क हस्ताधर
साक्षी (1)	पता	(1) उपगारिग
साक्षी (2)	पता	(2) उपगारिग

रकन क और तागिग

नाम

परागम

माल क गणपति क रिग आर उतका आर मे म्काग किया

हस्ताधर और तागिग

नाम

परागम

*जा गद खड तागू न ता उत काग द

* कवल प्रिभूति वरगव क रिग

(V) कलर उपाद शुल्क आबल स 10- क प्रका घव म जग राग अक्षरा 10 10-क 18 1933 और 151 रि गत ताग क थाग है ता ताग रिग

- (vi) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आवली सं. 59 के प्ररूप ए आर 3 में—
 (क) शब्द “बंधपत्रित” और अंक “156” का लोप किया जाएगा;
 (ख) निम्नलिखित का लोप किया जाएगा,

‡‡2. मैंने/हमने ————— रूप का प्ररूप ख-5
 (प्रतिभू) या ख-12 (प्रतिभूति) में एक बंधपत्र सं. —————
 तारीख ————— (मूल रूप में संलग्न है) २० ————— का
 प्ररूप ख-5 (साधारण प्रतिभू) या (साधारण प्रतिभूति) ख-12 (साधारण
 प्रतिभू) या (साधारण प्रतिभू) में एक बंधपत्र सं० ————— तारीख —————
 (मूल रूप में संलग्न है) निष्पादित किया है।

‡‡3. पूर्वोक्त श्री / सर्वश्री ने संवत् स्थान पर ————— रूप का
 प्ररूप ख-5 (प्रतिभू) या (प्रतिभूति) / ख-5 (साधारण प्रतिभूति)
 में एक बंधपत्र सं. ————— तारीख ————— निष्पादित
 किया है।”

और “**जो प्रविष्टि लागू न हो उसे काट दें” शब्दों का लोप
 किया जाएगा।

- (ग) “सी. टी. -2” प्रश्नों और अंक का लोप किया जाएगा;
 (vii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आवली सं. 59 के प्ररूप ए आर 3 के में—
 (क) “बंधपत्रित” शब्द का लोप किया जाएगा,
 (ख) “मैंने / हमने ————— रूप” से आरम्भ होने वाले
 पैरा 2 का लोप किया जाएगा,
 (viii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आवली सं. 64 में
 “प्रेषण/परिवर्ति” का ————— (रवम) का ख 5 /
 (ख) 12 बंधपत्र सं. ————— तारीख ————— “शब्दों का लोप किया
 ————— जाएगा,
 (ix) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 68 के प्ररूप आर. टी. 2
 में “बंधपत्रित” शब्द का लोप किया जाएगा;
 (X) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आवली सं. 69 और 79-ख के अधीन
 प्ररूपों में
 (क) शीर्ष में
 (ख) स्मृति 8 (क) के वर्णन में, और
 (ग) क्रम सं. 7 के सामने टिप्पणियों में—
 “बंधपत्रित” शब्द के स्थान पर “शुल्क के सदाय के बिना” शब्द
 रखे जाएँ।
 (xi) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 80, 81 और 81 के अधीन
 प्ररूपों में “बंधपत्रित” शब्द का, जहाँ जहाँ व आया है, लोप किया जाएगा;
 (xii) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 86 और उससे संबंधित प्ररूप
 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

“केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आवली सं. 86

रेज —————

मंडल —————

कलक्टर —————

प्ररूप सी टी 1

भाण्डागारित माल को हटाए जाने के लिए प्रमाणपत्र

(नियम 156)

- (1) यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री / सर्वश्री —————
 ————— (नाम और पता), इस रेज में लोक/
 प्राइवेट भाण्डागार (भाण्डागारों) का / के एल-5 अनुज्ञप्तिधारी है/हैं
 (2) उसके / उनकी अनुज्ञप्ति सं. ————— है/हैं
 और वह 31 दिसम्बर, 19 ————— के पर्यन्त हो रही है/हैं।

रेज अधिकारी का पता

परिवर्ति (परिवर्तियों) के भाण्डागार

(भाण्डागारों) के केन्द्रीय उत्पाद

शुल्क के —————

“मूद्रा”

[फा० न. 211/2/85-सी एन 6]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 27th February, 1986

NOTIFICATION

NO. 111A/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 325(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (6th Amendment) Rules, 1986.

- (2) They shall come into force on the 28th day of February, 1986.

2. In the Central Excise Rules, 1944,—

- (1) in rule 9A,—

- (i) in sub-rule (2), the words “under bond” shall be omitted;

- (ii) in sub-rule (4), the word “bonded”, wherever it occurs, shall be omitted;

- (2) in rule 24, in sub-rule (1), in clause (iii), the word “bonded” shall be omitted,

- (3) in rule 26, in the heading to that rule, the word “bonded” shall be omitted;

- (4) in rule 27,—

- (i) in the heading to that rule, the word “bonded” shall be omitted;

- (ii) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) If the owner wishes to deposit un-manufactured products (other than un-manufactured tobacco) in a private store-room on his own premises, he shall apply in the proper form to the Collector for a licence.”;

- (iii) in sub-rule (4), the word “bonded” shall be omitted;

- (5) rule 48 shall be omitted;

- (6) in rule 51, in clause (ii), the word “bonded” shall be omitted;

- (7) in rule 56A, in sub-rule (7), in clause (ii), the words “including execution of a bond,” shall be omitted;

(8) in rule 56B,—

(i) in the heading to that rule, the words "in bond" shall be omitted;

(ii) in the opening portion, the words "and subject to the execution of a bond by the manufacturer" shall be omitted;

(9) in rules 92D, 96L, 96ZK and 96ZZ, the figures "48," shall be omitted;

(10) in rule 96D, in sub-rule (3),—

(i) the words, "before the goods are so removed, enter into a bond and" and the figures "153," shall be omitted;

(ii) the first and second provisos shall be omitted;

(11) in rule 96DD, in sub-rule (2),—

(i) the words, "before the goods are so removed, enter into a bond and" and the figures "153," shall be omitted;

(ii) the first and second provisos shall be omitted;

(12) in rule 96E, in sub-rule (3),—

(i) the words, "before the goods are removed enter into a bond and" and the figures "153," shall be omitted ;

(ii) the first and second provisos shall be omitted;

(13) in rule 96EE, in sub-rule (3),—

(i) the words, "before the goods are removed enter into a bond and" and the figures "153," shall be omitted ;

(ii) the first and second provisos shall be omitted;

(14) in rule 100H, the figures "48", wherever they occur, shall be omitted;

(15) in rule 140,—

(i) in the heading to that rule, the words "Form and Conditions of Bond" shall be omitted;

(ii) in sub-rule (1), the portion beginning with the words, "and may require, in the case of a public warehouse," and ending with the words "and any orders made thereunder in respect of thereof" shall be omitted;

(iii) the proviso to sub-rule (1) shall be omitted;

(16) in rule 145, in the heading, the words "under bond" shall be omitted;

(17) rules 153, 154 and 155 shall be omitted.

(18) in rule 156, the words "and the bonds if any, executed by him" shall be omitted;

(19) in rule 161,—

(i) in sub-rule (1), for the words and brackets "the proper officer may forthwith either proceed upon the bond executed by the owner of such goods, or cause such portion as he thinks fit of such goods (if any) in the warehouse", the words and brackets "the proper officer shall forthwith cause the goods (if any) in the warehouse or, as the case may be, such portion thereof," shall be substituted;

(ii) for sub-rule (2), the following shall be substituted, namely :—

"(2) The sum demanded under rule 160 and the expenses (if any) incurred on account of the public auction of the goods shall be defrayed from the proceeds of the sale and the surplus proceeds (if any) shall be paid to the owner of the goods :

Provided that application for the same shall be made within one year from the sale, or that sufficient cause be shown for not making the application within that period."

(20) for rule 164, the following rule shall be substituted, namely :—

"164. Owner of goods to pay such dues when demanded.—

The owner of goods, who has deposited the goods in a public warehouse, shall,—

(a) pay, on demand all duties, rent and charges claimable on account of such goods under the Act or these rules, together with interest on the same from the date of demand, at such rate not exceeding six per cent. per annum as may for the time being fixed by the Central Board of Excise and Customs;

(b) discharge all penalties imposed for contravention of the provisions of the Act or these rule in respect of such goods."

(21) in rule 173-N,—

(i) sub-rule (5) shall be omitted;

(ii) in sub-rule (6), in the substituted sub-rule (1) of rule 156-A, for the words "that the goods are moving under bond of the consignor and such other", the word "such" shall be substituted;

(22) in rule 174,—

(i) in clause (2), the word "bonded" shall be omitted;

(ii) in clause (3), in sub-clause (c), the word "bonded" shall be omitted ;

(23) in rule 176 in the Table below sub-rule (2), in sub-item (2) of item I the word "bonded" shall be omitted;

(24) in rule 191A,—

- (i) in sub-rule (4), for the portion beginning with the words “application and shall require” and ending with the words “Provided further”, the words “application : Provided” shall be substituted;
- (ii) in sub-rule (7A), for the words “and subject to the execution of a bond by the manufacturer and subject to such other”, the words “and subject to such” shall be substituted;
- (iii) in sub-rule (12), the words “order the forfeiture of the security deposited and may” shall be omitted;

(25) in rule 191B, in sub-rule (4A), for the words “and subject to the execution of a bond by the manufacturer and subject to such other”, the words “and subject to such” shall be substituted;

(26) in rule 196BB, in sub-rule (2), the words “including execution of a bond” shall be omitted;

(27) in rule 223-A, the word “bonded” shall be omitted;

(28) in rule 224-A, in clause (ii), the words “in bond” shall be omitted;

3. In Appendix I to the Central Excise Rules, 1944,—

(1) Under the heading “(I) List of the Central Excise Forms”,—

- (i) Central Excise Series Nos. 21, 21-A, 24, 25, 25-A, 26, 27, 28, 29, 30, 30-A, 30-B, 32-F, 32-G, 32-K, 32-L and 87 and the entries relating thereto, shall be omitted ;
- (ii) for the Central Excise Series No. 32-M and the entries relating thereto, the following Series No. and entries shall be substituted, namely :—

Central Excise Series No.	Description of Form	Rule No.	Short title
32-M	General Bond [with surety (ies)/security] for obtaining provisional assessment of goods to excise duty under rule 9-B, for removal from time to time for export to a foreign country of excisable goods without payment of duty and for due accounting and disposal of excisable goods obtained without payment of the whole or part of duty for use in special industrial purposes.	9-B, 13, 14 and 192	B-16 (General Surety/Security)

(iii) against Central Excise Series Nos. 7, 15, 59, 59-A, 80, 81, 81-A and 82 in the entries under column “Description of Form”, the word “bonded”, wherever it occurs, shall be omitted;

(iv) against Central Excise Series No. 56-A, in the entries under the column “Rule No.”, the figures and letter “10”, “10-A”, “48”, “153”, “154”, shall be omitted ;

(v) against Central Excise Series No. 59, in the entry under column “Rule No.”, the figures “156” shall be omitted;

(vi) against Central Excise Series No. 86, in the entry under the Column “Description of Form”, the words “under particular bond” shall be omitted;

(2) Under the heading “(II) Specimen Forms”,—

(i) Central Excise Series Nos. 21, 21-A, 24, 25, 25-A, 26, 27, 28, 29, 30, 30-A, 30-B, 32-F, 32-G, 32-K, 32-L and 87 the Forms thereunder shall be omitted ;

(ii) in the Central Excise Series No. 7, in Form A.L.5,—

(a) the word “bonded”, wherever it occurs, shall be omitted;

(b) paragraph 3A and the footnote thereto shall be omitted;

(iii) in the forms under the Central Excise Series Nos. 15, 17, 18, 19 and 20, the word “bonded”, wherever it occurs, shall be omitted;

(iv) in the Central Excise Series No. 32-M, for Form B-16 (General Surety/Security) and the entries relating thereto, the following form and entries shall be substituted, namely :—

“FORM B-16 (General Surety/Security)

GENERAL BOND [WITH SURETY (IES)/SECURITY] FOR OBTAINING PROVISIONAL ASSESSMENT OF GOODS TO EXCISE DUTY UNDER RULE 9-B, FOR REMOVAL FROM TIME TO TIME FOR EXPORT TO A FOREIGN COUNTRY OF EXCISABLE GOODS WITHOUT PAYMENT OF DUTY, FOR DUE ACCOUNTING AND DISPOSAL OF EXCISABLE GOODS OBTAINED WITHOUT PAYMENT OF THE WHOLE OR PART OF THE DUTY FOR USE IN SPECIAL INDUSTRIAL PURPOSES.*

(Rules 9-B, 13, 14 and 192)

I/We of [hereinafter called “the obligor(s)"] and of [hereinafter called “the surety (ies)"] am/are held and firmly bound to the President of India (hereinafter called the “President”) in the sum of rupees to be paid to the President for which payment will and truly to be made, I/We jointly and severally bind myself/ourselves and my/our respective heirs, executors, administrators, legal representatives/successors and assigns by these presents;

I/We of [hereinafter called "the obligor(s)"], am/are held and firmly bound to the President of India (hereinafter called the "President") in the sum of rupees to be paid to the President for which payment will and truly to be made, I/We jointly and severally bind myself/ourselves and my/our respective heirs, executors, administrators, legal representatives, successors and assigns by these presents;

Dated this.....day of.....

B.1

Whereas the above bounden obligor has been permitted to remove from time to time the excisable goods from his warehouse licensed factory at..... for export to foreign countries without payment of duty;

B-8

Whereas the above bounden obligor having been permitted by the Collector of Central Excise at (hereinafter called "the Collector") to purchase from time to time such quantities of as may be required, not exceeding per year for use in his factory at..... for the manufacture of the commodity(ies), and in the manner, specified in his application No..... dated..... without payment of the whole or part of the duty;

B-10 and B-13

Whereas final assessment of excise duty of (hereinafter called the "goods") manufactured, stored, warehoused by the above bounden obligor from time to time could not be made for want of full information as regards value description quality or of proof thereof or for the non-completion of the chemical or other tests in respect thereof or otherwise and whereas the obligor desires that the Government should make provisional assessment as per provisions contained in rule 9-B of the Central Excise Rules, 1944;

For Security Bond only

And whereas the Collector has required the obligor to deposit as security for the amount of this bond, the sum of..... rupees in cash (the securities as hereinafter mentioned of a total value of rupees endorsed in favour of the President and accepted on his behalf by the Collector, Deputy Collector, Assistant Collector, Superintendent of Central Excise, namely.....) and whereas the obligor has furnished such guarantee by depositing with the Collector the cash/securities as aforementioned;

The condition of this bond is that if the obligor and his representative shall observe all the provisions of the Central Excise Rules, 1944, and all such amendments thereto, as may be issued from time to time to be observed in respect of—

B-10 and B-13

- (i) provisional assessment of goods to excise duty under rule 9-B;

B.1

- (ii) export of excisable goods to a foreign country;

B-8

- (iii) use of excisable goods for special industrial purposes without payment of the whole or part of the duty;

B-1, B-8, B-10 and B-13

And if the relevant and specific goods are duly exported to destination within such time as the Collector directs; and/or all the dues whether excise or other lawful charges, which shall be demandable on the goods obtained by the obligor without payment of the whole or part of the duty and transported from the place of procurement to the premises of the obligor(s) for use in the special industrial purpose as shown by the records of the proper officer be duly paid into the treasury to the account of the Collector within ten days of the demand thereof being made by such officer; and/or if full information as regards value, description/quality or of the proof thereof in respect of goods which were assessed on provisional basis under rule 9-B are furnished within such period as may be fixed by the proper officer and if all dues, whether excise duty or other lawful charges, which shall be demandable in respect of such goods on the basis of value, description or quality as ascertained after final assessment by the proper officer be duly paid into the treasury to the account of the Collector within ten days of the date of demand thereof being made in writing by such officer;

THIS OBLIGATION SHALL BE VOID OTHERWISE and on breach or failure in the performance of any part of this condition the same shall be in full force and virtue :

Security Bond only

Provided always that the liability of the Surety hereunder shall not be impaired or discharged by reason of any time being granted or any forbearance, act or omission of the Government (whether with or without the knowledge or the consent of the surety) in respect of or in relation to the obligation and con- nor shall it be necessary to sue the obligor(s) be- fore suing the surety for amounts hereunder;

†And the President shall, at his option, be competent to make good all the loss and damages from the amount of the security deposit or by endorsing his rights under the above written bond or both;

I/We further declare that this bond is given under the orders of the Central Government in the performance of an act in which the public are interested ;

In these present the words imposing singular only shall also include the plural and vice versa where the context so requires;

In witness thereof these presents have been signed the day hereinbefore written by the obligor(s) and the surety(ies).

Place

Date

Signature of Obligor

Witness (1)

Address :

Occupation

Witness (2)

Address .

Occupation

Signature of Surety

Witness (1)

Address .

Occupation

Witness (2)

Address .

Occupation

Signature and date

Name.....

Designation.....

ACCEPTED for and on behalf of the President of India.

Signature and date

Name.....

Designation.....

*Delete the words/clauses wherever not applicable.
†For Security Bond only.;

(v) in Form DD-2 to the Central Excise Series No. 56-A, the figures and letter "10," "10-A", "48", "153", and "154" wherever they occur, shall be omitted;

(vi) in Form AR 3 to the Central Excise Series No. 59,—

(a) the word "bonded" and the figures "156," shall be omitted;

(b) the words, letters and figures,—

"2. I|We have executed a bond in Form B-5 (Sur.) or (Sec.) bearing No..... dated.....for rupees..... (Attached in original) B-5 (Gen. Sur.) or (Gen. Sec.)|B-12 (Gen. Sur.) or (Gen. Sec.) bearing No.....date..... for Rupees"

3. The aforesaid Mr./Messrs..... have executed a bond at destination, in Form B-5 (Sur.) or (Sec.)|B-5 (Gen. Sur.) or (Gen. Sec.)|B-12 (Gen. Sur.) or (Gen. Sec.) bearing No..... dated..... for Rupees....."

and the words "Delete the entries not applicable", shall be omitted;

(c) the letters and figure "/C.T.12" shall be omitted;

(vii) in Form A.R. 3-A to the Central Excise Series No. 59-A,—

(a) the word "bonded" shall be omitted ;

(b) paragraph 2 beginning with the words "I|We have executed a bond" and ending with the words and brackets "(Attached in Original)" shall be omitted;

(viii) in the Central Excise Series No. 64, the words, letters and figures "Consignor's/Consignee's B-5|B-12 bond No., date and amount:" shall be omitted;

(ix) in Form R.T. 2 to the Central Excise Series No. 68, the word "bonded" shall be omitted;

(x) in the forms under the Central Excise Series Nos. 69 and 79-B,—

(a) in the heading,

(b) in the description of column 8(a), and

(c) in the Notes against serial No. 7, for the words "in bond", the words "without payment for duty" shall be substituted;

(xi) in the forms under the Central Excise Series Nos. 80, 81 and 81-A, the word "bonded", wherever it occurs, shall be omitted;

(xii) for the Central Excise Series No. 86 and the Form relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

"Central Excise Series No. 86

Range.....

Division.....

Collectorate.....

FORM C. T. 1

Certificate for removal of warehoused goods

(Rule 156)

(1) This is to certify that Mr./Messrs..... (name and address) is/are L-5 licensee(s) of private/public warehouse(s) in this Range.

(2) His/Their licence No. (s) is/are..... and which expires/expires on 31st December, 19.....

Address of the Range Officer

Date :

..... of Central Excise of the consignee warehouse(s)

'(Seal)' "

[F. No. 214/2/85-CX.6]

अधिसूचना.

मं. 111 ख/86—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

म. का. वि. 326(ग्र) :- केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष मूल्य का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना मं. 123/81- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 2 जून, 1981 में निम्नलिखित और मशौन कानूनी है अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना के परिशिष्ट में उपाबन्ध क के स्थान पर निम्नलिखित उपाबन्ध रखा जाएगा, अर्थात् :-

"उपाबन्ध क

उत्पाद शुल्क योग्य माल के, शुल्क के संदाय के बिना, किसी विदेशी राज्य को निर्यात के प्रयोजन के लिये समय-समय पर हटाए जाने के लिए उत्पाद शुल्क योग्य माल का व्ययन करने और उसका समाधानप्रद लेखा देने के लिये, विशेष औद्योगिक प्रयोजनों में उपयोग के लिये, शुल्क का पूर्णतः या भागतः संदाय किये बिना, प्राप्त किए गए

उत्पाद शुल्क योग्य माल का सम्पक लेखा देने और व्यय के लिए नियम 9-ख के अधीन उत्पाद शुल्क के लिए माल का अन्तिम निर्धारण प्राप्त करने के लिए प्रतिम (प्रतिमश्री/प्रतिमनि सहित) म धारण बन्धपत्र** (नियम 9-ख 14, 11 और 102)

मै/हम (जिम्मे जिम्मे इसमें आगे "व्यय धारणी कहा गया है") और जा . का निवासा है (जिम्मे जिम्मे इसमें आगे प्रतिम कहा गया है) भारत के राष्ट्रपति (जिम्मे इसमें आगे राष्ट्रपति कहा गया है) के प्रति रु की रशि का भारत में राष्ट्रपति का पत्र केने कति वचनबद्ध और दृढतापूर्वक आबद्ध है। इस रकम में सदाय पूर्ण और सही रूप में करने के लिए मै/हम स्वयं का प्रयत्न अपन करिमा, निषेध, प्रशंसका, विभिन्न प्रतिनिधियों/स्तर प्रेषित, और सम्पुर्णिया या इन विविध द्वारा सयुक्त और पृथक अथवा अन्य रकम है -

मै/हम . . . का का/के निवसी है/हैं (जिम्मे जिम्मे इसमें आगे "प्रतिम जरी" कहा गया है) भारत के राष्ट्रपति (जिम्मे इसमें आगे राष्ट्रपति कहा गया है) के प्रति . . . राष्ट्रपति का सदाय करने के लिये वचनबद्ध और दृढतापूर्वक और इस रकम का सदाय पूर्ण और सही रूप में करने के लिए मै/हम स्वयं का प्रयत्न अपन करिमा निषेध, प्रशंसका, विभिन्न प्रतिनिधियों/स्तर प्रेषित, और सम्पुर्णिया या इन विविध द्वारा सयुक्त और पृथक अथवा अन्य रकम है।

तारीख

बी 1 उक्त अबद्ध बध्यधारी को . . . मे स्थित अन्तर्भाउ/गुप्त/अज्ञात का सन्त स समय-समय पर गुप्त स सदाय किये जिन उत्पाद शुल्क या माल के विनिर्देशों का नियान क के लिए दृढता का प्रयत्न दे दी गई है।

बी. 8 उक्त अबद्ध बध्यधारी का केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर (जिम्मे इसमें आगे "कलक्टर" कहा गया है) द्वारा अनुमा दी गई कि वह पत्र के पूर्णतया भागत सदाय किये बिना वस्तु (वस्तुओं) को . . . म स्थित अन्तर्भाउ/गुप्त/अज्ञात में प्रयाग क लिये की उतना मात्रा, जितनी अधिन है किन्तु जो प्रतिवर्ष . . . मे अधिक न हो कर सकता है।

बी 10 और बी 13 उक्त अबद्ध बध्यधारी द्वारा समय-समय पर विनिर्मित समाधित/भाण्डारित . . . के (जिम्मे इसमें आगे "माल" कहा गया है) उत्पाद शुल्क का अन्तिम निर्धारण उसने मूल्य/वर्णन/क्वालिटी या उपर क लिये सबत व अभाव में अथवा उसकी बावत समयिक या अन्य परीक्षण पूर्ण रह जाने के कारण या अन्यथा नहीं किये जा सक और बध्यधारी की इच्छा है कि सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में नियम 9-ख में अन्तिम उपबन्धों के अन्तर्गत अन्तिम निर्धारण कर ले।

केवल प्रतिभूति बन्ध . . . कलक्टर ने बध्यधारी से यह ओक्षा की है कि वह इस बन्धपत्र की रकम के लिये प्रति-मति के रूप में . . . रुपये की रकम नरद (इसमें आगे उल्लिखित . . . रुपये के कुल मूल्य को प्रतिभूतिया जा भारत के राष्ट्रपति

के पक्ष में प्रतिभूति का गैर हा और जिस उतनी और म केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के कलक्टर उप कलक्टर मध्यम कलक्टर अधीक्षक, प्रथम ने मदीय . . . लिये हा) जम के आगे बाध्यधारी न कलक्टर के पक्ष उपबन्धों के प्रतिभूतिया कलक्टर . . . स जमा कलक्टर के लिये मति दी है

इस बन्धपत्र की तारीख है कि दि 14-11-1944 और "माल" अन्तिम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 में तमो उपबन्धों और उसमें समय-समय पर पानन ति जाना लिये जरी किये गये नानाना के पत्र के लिये जा निम्न-निर्दिष्ट की वचन है अर्थात् -

बी 10 और बी 13 (1) माल के नियम के अधीन उत्पाद शुल्क के लिए अन्तिम निर्धारण

बी 1 (11) उत्पाद शुल्क प्राप्त माल के किसी विदेशी रकम का निर्धारण

बी 8 (11) यदि शुल्क या माल का शुल्क क पूर्णतया भागत सदाय किये बिना विशेष आधिकारिक प्रयाजनों के लिए उपपात,

बी 1 और

बी 8

यदि पृथक और निनिर्दिष्ट माल का उतना माल के भीतर . . . रकम का नियमित किया गया है जितने के निदेश सरकार दे और/या उन सभी दय रशियों के चह व उत्पाद शुल्क के अन्य विधिपूर्ण प्रसार हा, जिनकी बध्यधारी द्वारा अतिप्राप्त माल पर शुल्क के पूर्णतया भागत . . . के सदर कि दे जिन मागी जा सकगी और जिनके उपरि के स्थान से बध्यधारी (व या वारिया) के परिमर मे विदेशी औद्योगिक प्रयाजनों में उपयोग के लिये परिवर्तित किये गये . . . जा उचित अधिकारी के अधिनोद्वारा दर्शित है . . . अधिकारी द्वारा लिखित माग की जाने के दस दिन के भीतर खजाना में बध्यधारी के खाते में सम्पक रूप से सदाय कर दिया जाता है और/या यदि उस माल को बचन जिसके निराकरण नियम 9-ख के अधीन अन्तिम आगे पर किये गया है, मूल्य/वर्णन क्वलिटी या उपबन्धों के सबध मध्य, जानकारी ऐसे तार के माग दे द तात है जा उचित अधिकारी नियत कर और यदि सभी दय रशियों का चाहे वे उत्पाद शुल्क हा या अन्य विधिपूर्ण प्रसार हा, जिनकी . . . अधिकारी द्वारा अन्तिम निर्धारण के पश्चात तथा परिनिश्चित मूल्य, वर्णन या क्वलिटी के आधार पर ऐसे माल के सबध में माग का जा सकगी गैर अधिकारी द्वारा लिखित माग का जाने पर माग की तारीख से 10 दिन के भीतर खजाना में कलक्टर के लेखा में सम्पक रूप से सदाय कर दिया जाता है, तो यह बध्यधारी शुल्क हा जागी अथवा और इसकी किमा जर्न के माग किये जात य उसका अनुपालन में किसी समकृतता पर जा पूर्णतया प्रवृत्त और बलशील रहेगी।

बी 10 और बी 13

केवल प्रतिभू बन्धन
के लिए

"यह भी उपबन्ध है कि वाध्यताधारी द्वारा उन बाध्य-
ताओं और शर्तों की बाबत या उसके संबंध में जिनका
उसे पालन या निर्वहन करना है, सरकार द्वारा
कोई समय अनुज्ञात किए जाने या उसकी किसी
प्रतिभूति या कार्य या लोप के कारण इसके अधीन
प्रतिभू का दायित्व न हो कम होगा, न न्यूनोचित
हो। (यदि ऐसा प्रतिभू की जानकारी या मह-
सूस से किया गया हो या नहीं), न इसके अधीन
रकम के लिए प्रतिभू पर वाद लाने से पूर्व बाध्य-
ताधारी (बाध्यताधारियों) पर वाद लाना आवश्यक
होना।

केवल प्रतिभूति बन्धन
के लिए

"और राष्ट्रपति उस बत के लिए सज्जम होंगे
कि वे अपने विचार पर प्रतिभूति निक्षेप की
रकम से या उक्त लिखित बन्धन के अधीन
अने अधिकारों का पृष्ठाकृत करके य दोनों से
सभी नुकसान और क्षति की प्रतिभूति कर लें ;
*मैं/हम यह भी घोषणा करना हूँ/करते हैं कि यह
बन्धन केन्द्रिय सरकार के आदेशों के अधीन
ऐसे कार्य के पालन में दिया जाता है जिसमें
जनन हितबद्ध है ;

इस विलेख में, जहां संदर्भ से ऐसा अपेक्षित
हो, एक वचन के अन्तर्गत बहुवचन और बहुवचन
के अनर्गत एकवचन भी होगा।

इसके मध्यस्वका बाध्यताधारी (बाध्यता-
धारियों) ने और प्रतिभू (प्रतिभूओं) ने इसमें
उपर लिखा तरीख को इस पर हस्ताक्षर कर
दिए हैं।

NOTIFICATION

NO. 111B/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 326(E).—In exercise of the powers con-
ferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise
Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3
of the Additional Duties of Excise (Goods of Spe-
cial Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Cen-
tral Government hereby makes the following further
amendment in the notification of the Government of
India in the Ministry of Finance (Department of
Revenue) No. 123/31-Central Excises, dated the
2nd June, 1981, namely :—

In the Appendix to the said notification, for An-
nexure-A, the following Annexure shall be substi-
tuted, namely :—

"ANNEXURE A

GENERAL BOND [WITH SURETY (IES)
SECURITY] FOR OBTAINING PROVISIONAL
ASSESSMENT OF GOODS TO EXCISE DUTY
UNDER RULE 9-B, FOR REMOVAL FROM
TIME TO TIME FOR EXPORT TO A FOREIGN
COUNTRY OF EXCISABLE GOODS WITHOUT
PAYMENT OF DUTY FOR DUE ACCOUNTING
AND DISPOSAL OF EXCISABLE GOODS OB-
TAINED WITHOUT PAYMENT OF THE WHOLE
OR PART OF THE DUTY FOR USE IN SPECIAL
INDUSTRIAL PURPOSES*.

(RULES 9-B, 13, 14 and 192)

I/We.....of[hereinafter called "the
obligor (s)"] and of [hereinafter
called "the surety (ies)"], am/are held and firmly
bound to the President of India (hereinafter called
the "President") in the sum of rupees
to be paid to the President for which payment will
and truly to be made, I/We jointly and severally
bind myself/ourselves and my/our respective heirs,
executors, administrators, legal representatives/suc-
cessors and assigns by these presents;

Dated this day of

B-1.—Whereas the above bounden obligor has
been permitted to remove from time to time the
excisable goods from his warehouse/licensed factory
at for export to foreign coun-
tries without payment of duty,

B-8.—Whereas the above bounden obligor hav-
ing been permitted by the Collector of Central Ex-
cise at (hereinafter called "the
Collector") to purchase from time to time such
quantities of as may be required,
not exceeding per year for use in
his factory at for the manufacture
of the commodity (ies), and in the manner, specified
in his application No. dated without
payment of the whole or part of the duty;

B-10 and B-13.—Whereas final assessment of
excise duty of (hereinafter called
the "goods") manufactured/cured/warehoused by the
above bounden obligor from time to time could not
be made for want of full information as regards
value/description/quality or of proof therefor or for
the non-completion of the chemical or other tests
in respect thereof or otherwise and whereas the obli-
gor desires that the Government should make pro-
visional assessment as per provisions contained in
rule 9-B of the Central Excise Rules, 1944;

स्थान :

तारीख : बाध्यताधारी के हस्ताक्षर

साक्षी : (1) पता : (1) उपजीविका

साक्षी : (2) पता : (2) उपजीविका

प्रतिभू के हस्ताक्षर

साक्षी : (1) पता : (1) उपजीविका

साक्षी : (2) पता : (2) उपजीविका

हस्ताक्षर और तारीख

नाम

पदनाम

भारत के राष्ट्रपति के लिए और
उनकी ओर से स्वीकार किया

हस्ताक्षर और तारीख

नाम

पदनाम

2. यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1986 को प्रवृत्त होगी।

*जो शब्द/खंड लागू न हों उन्हें काट दें।

**केवल प्रतिभूति बन्धन के लिये।

For Security Bond only.—And whereas the Collector has required the obligor to deposit as security for the amount of this bond, the sum of..... rupees in cash (the securities as hereinafter mentioned of a total value ofrupees endorsed in favour of the President and accepted on his behalf by the Collector, Deputy Collector, Assistant Collector, Superintendent of Central Excise, namely) and whereas the obligor has furnished such guarantee by depositing with the Collector the cash/securities as aforementioned;

The condition of this bond is that if the obligor and his representative shall observe all the provisions of the Central Excise Rules, 1944, and all such amendments thereto, as may be issued from time to time to be observed in respect of —

B-10 and B-13.—(i) provisional assessment of goods to excise duty under rule 9-B;

B.1.—(ii) export of excisable goods to a foreign country;

B.8.—(iii) use of excisable goods for special industrial purposes without payment of the whole or part of the duty;

B.1.—And if the relevant and specific goods are duly exported to destination within such time as the Collector directs;

B.8.—and/or all the dues whether excise duty or other lawful charges, which shall be demandable on the goods obtained by the obligor without payment of the whole or part of the duty and transported from the place of procurement to the premises of the obligor(s) for use in the special industrial purpose as shown by the records of the proper officer be duly paid into the treasury to the account of the Collector within ten days of the demands thereof being made by the proper officer;

B-10 and B-13.—and/or if full information as regards value/description/quality or of the proof thereof in respect of goods which were assessed on provisional basis under rule 9-B are furnished within such period as may be fixed by the proper officer and if all dues, whether excise duty or other lawful charges, which shall be demandable in respect of such goods on the basis of value, description or quality as ascertained after final assessment by the proper officer be duly paid into the treasury to the account of the Collector within ten days of the date of demand thereof being made in writing by such officer;

This obligation shall be void otherwise and on breach or failure in the performance of any part of this condition the same shall be in full force and virtue.

For Surety Bond only.—Provided always that the liability of the Surety hereunder shall not be impaired or discharged by reason of any time being granted or any forbearance, act, or omission of the Government (whether with or without the knowledge or the consent of the surety) in respect of or in relation to the obligation and condition to be performed or discharged by the obligor (s) nor shall it be necessary to sue the obligor (s) before suing the surety for amounts hereunder ;

For Security bond only.—And the President shall, at his option, be competent to make good all the loss and damages from the amount of the security deposit or by endorsing his rights under the above written bond or both;

[We further declare that this bond is given under the orders of the Central Government in the performance of an act in which the public are interested;

In these presents the words imposing singular only shall also include the plural and vice versa where the context so requires;

In witness thereof these presents have been signed the day hereinafter written by the obligor (s) and the surety (ies)

Place

Date	Signature of Obligor	
Witness	Address	Occupation

1. — — — — —	— — — — —	— — — — —
2. — — — — —	— — — — —	— — — — —

Signature of Surety	
Witness	Address
Occupation	

1. — — — — —	— — — — —	— — — — —
2. — — — — —	— — — — —	— — — — —

Signature and date

Name—

Designation—

Accepted for and or behalf on the President of India.

Signature and date—

Name—

Designation—

* Delete the word/clauses wherever not applicable.

‡ For Security Bond only.”.

2. This Notification shall come into force on the 28th day of February, 1986.

[F. No. 214/2/85-CX.6]

अधिसूचना

सं. 111ग/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

मा. का. नि. 327 (अ) :— केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 175 के उप-नियम (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड की अधिसूचना सं. 260/76-के. उ. तारीख 7 अक्टूबर, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्,—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में “बन्धकाधीन” शब्द का, जहां कहीं भी वह आता है, लोप किया जाएगा।

2. यह अधिसूचना 23 फरवरी, 1986 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. 214/2/85-के. उ. शु.-6]

NOTIFICATION

NO. 111C/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 327(E).—In pursuance of sub-rule (1) of rule 175 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following amendment in the Notification of the Central Board of Excise and Customs No. 260/76-CE, dated the 7th October, 1976, namely :—

In the Schedule to the said Notification, the word “bonded”, wherever it occurs, shall be omitted.

2. This Notification shall come into force on the 28th day of February, 1986.

[F. No. 214/2/85-CX.6]

प्रधिसूचना

सं. 111C/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 328(अ):— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 13 के उप-नियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 151/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 जुलाई, 1981 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,—

(i) “बंधपक्काघीन”, “बंधनाघीन” शब्दों का, वहां कहीं भी वे पाए हैं, छोड़ दिया जाएगा;

(ii) उपाखंड 2 में, “बंधपक्काघीन बाण्डागार” शब्दों के स्थान पर “बाण्डागार” शब्द रखा जाएगा।

2. यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1986 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. 214/2/85-के. उ. शु. -6]

NOTIFICATION

NO. 111D/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 328(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 13 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendments in the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 151/81-Central Excises, dated the 29th July, 1981, namely :—

In the said Notification,—

(i) the word “bonded”, wherever it occurs, shall be omitted;

(ii) in Annexure II, for the words “Bond Warehouse”, the word “Warehouse”, shall be substituted.

2. This Notification shall come into force on the 28th day of February, 1986.

[F. No. 214/2/85-CX.6]

प्रधिसूचना

सं. 111D/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 329 (अ):— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)

की अधिसूचना सं. 201/79-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 4 नवम्बर, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के परिशिष्ट में, पैरा 6 के खंड (ii) में “जिसके अंतर्गत बंधपत्र का निष्पादन भी है” शब्दों का लोप किया जाएगा।

2. यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1986 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. 214/2/85/केन्द्रीय उ. शु. -6]

NOTIFICATION

NO. 111E/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 329(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) or rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 201/79-Central Excises, dated the 4th June, 1979, namely :—

In the Appendix to the said Notification, in paragraph 6A, in clause (ii), the words “including execution of a bond,” shall be omitted.

2. This Notification shall come into force on the 28th day of February, 1986.

[F. No. 214/2/85-CX.6]

प्रधिसूचना

सं. 111E/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 330(अ):— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 13 के उप-नियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 150/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 जुलाई, 1981 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, उपाखंड 2 के अनुसूचक में, “बंधपक्काघीन बाण्डागार” शब्दों के स्थान पर, “बाण्डागार” शब्द रखा जाएगा।

2. यह अधिसूचना 28 फरवरी, 1986 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. 214/2/85-के. उ. शु. -6]

ए. के. प्रसाद, प्रवर सचिव

NOTIFICATION

NO. 111F/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 330(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 13 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 150/81-Central Excises, dated the 29th July, 1981, namely :—

In the said Notification, in the Annexure to the Appendix II, for the words “Bond Warehouse”, the word “Warehouse”, shall be substituted.

2. This Notification shall come into force on the 28th day of February, 1986

[F. No. 214/2/85-CX.6]

A. K. PRASAD, Under Secy.